AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : खर्चों पर ब्रेक ने कम किया घाटा

शताब्दी वर्ष में 31 से 09 करोड़ पर आया घाटा

अक्षय कुमार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अपने शताब्दी वर्ष में आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। हाल के दो वर्षों में विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने खर्चे कम करके और आय बढ़ाकर पिछले कई वर्षों से चले आ रहे घाटे को 22 करोड़ कम किया है। इतना ही नहीं सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय ने घाटे से उबरकर आय करने का लक्ष्य रखा है, जिसके बाद से विश्वविद्यालय की दशा और दिशा भी बदलनी शुरू होगी।

विश्वविद्यालय पिछले कई वर्षों से लगभग 35-40 करोड़ के घाटे में चल रहा है। अनुदान फ्रीज होने की वजह से शासन से विवि को सिर्फ 34 करोड़ रुपये मिलते हैं जबकि वेतन मद में ही उसका खर्च लगभग 180 करोड़ रुपये सालाना आता है। वह अपनी फीस आदि आय से ही इसकी भरपाई करता रहा है, जिसके कारण उसे बिल्डिंग मरम्मत, निर्माण आदि विकास कार्यों के लिए यहां-वहां भटकना पड़ता था। पिछले दो सालों में विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने खर्चों में कमी की और आय के नए स्रोत विकसित किए। विश्वविद्यालय का घाटा पिछले दो वर्षों में 31 करोड़ रुपये से घटकर 09 करोड़ तक पहुंच गया है।

यह स्थिति भी तब है जब उसने अपने शिक्षकों के प्रमोशन भी किए हैं। इतना ही नहीं विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपने शताब्दी वर्ष का एक सप्ताह तक जश्न मनाया। इसमें भी अतिरिक्त खर्च हुए। पुरानी बिल्डिंगों की मरम्मत व पुताई का काम हुआ, किंतु विश्वविद्यालय प्रशासन ने आयोजन में भी अपने आर्थिक मैनेजमेंट का प्रयोग करते हुए कम से कम खर्च में बेहतर आयोजन किया। अब विश्वविद्यालय का लक्ष्य नए वित्तीय वर्ष में खुद को घाटे से उबारकर आर्थिक लाभ में आएंगे ताकि विश्वविद्यालय को आगे ले जाया जा सके।

अगले साल से विवि को मुनाफे की उम्मीद

कई मदों में आया पैसा पर नहीं हुआ खर्च

खर्च कम किए, अन्य स्रोतों से कराए काम

विश्वविद्यालय प्रशासन ने न सिर्फ अपनी आय बढ़ाई बल्कि अनावश्यक खर्चे भी कम किए। काफी काम ऑनलाइन हो जाने से खर्च कम हुए। पेपर लेस वर्क को बढ़ावा दिया गया। सीएसआर फंड व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से परिसर में शौचालयों का निर्माण कराया, बड़ी एंबुलेंस की व्यवस्था की। छात्रावासों की मरम्मत का बड़ा काम शासन के सहयोग से हुआ। अभी भी कई नए काम पाइपलाइन में हैं।

दो साल से परीक्षा न होने का भी असर

कोरोना संक्रमण के कारण पिछले साल और इस साल भी सिर्फ फाइनल ईयर की परीक्षाओं का ही विश्वविद्यालय में आयोजन हुआ है जबकि दोनों साल विद्यार्थियों से परीक्षा शुल्क लिया गया। सिर्फ फाइनल ईयर की परीक्षाओं के आयोजन में कॉपी-पेपर आदि के खर्चे भी कम हुए। इसका भी काफी असर विश्वविद्यालय को अपना घाटा कम करने में पड़ा।

लक्ष्य तय कर बढ़ रहे आगे

अपने शताब्दी वर्ष में लविवि का घाटे में होना और छोटी-छोटी चीजों के लिए यहां-वहां भटकना ठीक नहीं था। मैंने लक्ष्य बनाकर ऑनलाइन सेवाओं-सुविधाओं की शुरुआत की, जिसका काफी सहयोग मिला। कंसल्टेंसी शुल्क, रिसर्च ग्रांट आदि में शिक्षकों ने काफी काम किया। अगले वर्ष तक यह विवि मुनाफे में होगा और नए काम, नई दिशा में आगे बढ़ेगा।

- प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लविवि

केंद्रीकृत प्रवेश, कंसल्टेंसी, रिसर्च ग्रांट से बढ़ी विवि की आय

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पिछले साल से केंद्रीकृत प्रवेश की व्यवस्था शुरू की है, जिसमें शामिल कॉलेजों से प्रोफेशनल कोर्स के लिए 1 लाख और सामान्य कोर्स के लिए 50 हजार रुपये शुल्क लिया जाता है। वहीं, कंसल्टेंसी शुल्क का 40 फीसदी शिक्षकों को देना शुरू किया तो इस मद में आय बढ़ी। इसी तरह रिसर्च ग्रांट से हाल के दिनों में आय बढ़ी है। इसके साथ ऑनलाइन शुरू की गई सर्विस ईज, यू-ट्यूब चैनल मोनोटाइजेशन आदि से भी आय बढ़ी है, जिसका लाभ विवि को अपना घाटा कम करने में मिला है।

HINDUSTAN PAGE 8

i-NEXT PAGE 4

एलयू: तीन मीटर की बेंच पर दो परीक्षार्थी बैठेंगे

मिशन एग्जाम

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

कोरोना काल के दौरान ऑफलाइन परीक्षा के कराने की चुनौती एलयू निभाने जा रहा है। 16 जुलाई से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती कोविड प्रोटोकॉल को पूरा करना है।

विवि प्रबंधन ने मैप तैयार करते हुए छात्रों के लिए दिशा निर्देश भी जारी कर दिए हैं। कोई भी छात्र बिना मास्क के परीक्षा नहीं दे सकेगा। पहली सीट के दोनो कॉर्नर पर एक-एक और दूसरी सीट में बीच में एक परीक्षार्थी बैठेगा। विश्वविद्यालय ने इस प्रकार परीक्षा के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग पूरा करने के लिए सिटिंग प्लान तैयार किया है। परीक्षा केन्द्र में बैठने के लिए जो बेंच लगी हैं उनकी लम्बाई तीन मीटर है। इसलिए बेंच के कोने पर एक-एक परीक्षार्थी और इसके ठीक पीछे वाली बेंच पर सिर्फ एक परीक्षार्थी को बैठने की अनमुति होगी।

अन्तिम सेमेस्टर की परीक्षाओं के अन्तर्गत सबसे पहले 16 जुलाई को न्यू कैम्पस में बीसीए और बीटेक की परीक्षाएं हैं। परीक्षा से पूर्व और परीक्षा के बाद परीक्षा कक्ष सैनिटाइज होगा। प्रवेश और निकास द्वार पर सैनिटाजेशन होगा। विवि प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि ऑफलाइन परीक्षा के दौरान कोविड प्रोटोकाल का पालन होगा।

बीएड प्रवेश परीक्षा में इस साल भी निगेटिव मार्किंग

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021 को लेकर अभ्यर्थियों की शंकाओं का समाधान हेल्पलाइन के माध्यम से किया जा रहा है। अभ्यर्थी निरंतर सवाल पूछ रहे हैं। इस साल बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय कर रहा है। परीक्षा की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि अभ्यर्थियों में सबसे ज्यादा शंका थी कि इस साल निगेटिव मार्किंग होगी या नहीं। जिसका जवाब देते हुए राज्य समन्वयक ने बताया कि इस साल भी बीएड प्रवेश परीक्षा में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान है। हेल्पलाइन पर बीएड प्रवेश परीक्षा की तारीख, परीक्षा कितनी पालियों में होगी, परीक्षा समय से कितने समय पूर्व परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना होगा जैसे सवालों का जवाब दिया जा रहा है।

बीएड प्रवेश परीक्षा 30 जुलाई को प्रदेश के 75 जनपदों में 1476 परीक्षा केन्द्रों पर हो रही है। परीक्षा दो पलियों में सुबह नौ से 12 एवं दोपहर दो से पांच बजे तक होगी। प्रवेश परीक्षा के लिए प्रदेश के 14 विश्वविद्यालयों को नोडल बनाया गया है। जिससे परीक्षा का सफल संचालन हो सके। अभ्यर्थी प्रवेश पत्र 16 जुलाई से डाउनलोड कर सकते हैं।

बीएड एग्जाम को हेल्पलाइन नंबर जारी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(13 July): बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है. अभ्यर्थियों को कोई भी शंका या सवाल हो तो वे हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं. बीएड संयुक्त परीक्षा 30 जुलाई को विभिन्न सेंट्र्स पर होनी है, जिसके लिए लिस्ट जारी कर दी गई है. वहीं बीएड परीक्षा के दौरान यदि किसी यूनिवर्सिटी या कॉलेज में कोई अन्य एग्जाम प्रस्तावित है तो वह खुद ही निरस्त हो जाएंगे. वहीं रद एग्ज ाम की डेट यूनिवर्सिटी द्वारा बाद में घोषित की जाएगी.

सर्टिफिकेट दिखाना जरूरी नहीं

बीएड एग्जाम में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को शंका है कि उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये कोविड का टीकाकरण कराना आवश्यक है या परीक्षा केंद्र पर इसका प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा. उनकी जानकारी के लिये यह स्पष्ट किया जाता है कि सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें टीकाकरण अवश्य करा लेना चाहिये, लेकिन संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड के लिए टीकाकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं है.

इसे भी जानें

- परीक्षा तीन घंटे की होगी.
- इस बार भी निगेटिव मार्किंग होगी.
- प्रवेश पत्र 16 जुलाई से डाउनलोड किया जा सकता है.

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा को लेकर एलयू ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है. कोई भी शंका या सवाल हो तो वे हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं.

JAGRAN CITY PAGE I

AMRIT VICHAR PAGE 3

SWATANTRA BHARAT PAGE 3

लविवि के पूर्व छात्र अखिलेश बने डीएसटी के वरिष्ठ सलाहकार

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कई पूर्व छात्र देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। इसी कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है डा. अखिलेश गुप्ता का। वह अभी तक डिपार्टमेंट आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (डीएसटी) मंत्रालय में साइंटिस्ट डी स्तर पर तैनात थे। हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली अप्वाइंटमेंट कमेटी आफ कैबिनेट ने इस नए पद को मंजूरी देते हुए उन्हें डीएसटी का वरिष्ठ सलाहकार (साइंटिस्ट एच) बनाया गया है। लविवि ने उन्हें बधाई दी है।

डा.अखिलेश गुप्ता ● सौ. स्वयं

दैनिक जागरण से बातचीत में डा. अखिलेश ने बताया कि वर्ष 1979 में राजकीय जुबिली इंटर कालेज से इंटर करने के बाद क्रिश्चियन कालेज से बीएससी किया। फिर 1984 में लविवि से एमएससी प्रथम श्रेणी में पास किया।

राहत लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर स्थिति की स्पष्ट

वैक्सीनेशन सर्टीफिकेट के बगैर परीक्षा दे सकेंगे अभ्यर्थी

अमृत विचार, लखनऊ

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2021 अभ्यर्थियों को परीक्षा देने में किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी। उन्हें परीक्षा केंद्र पर कोरोना टीकाकरण कराने कोई प्रमाण पत्र पेश नहीं करना होगा। यह जानकारी मंगलवार को संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड की राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने दी।

उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के सम्बन्ध में अपनी शंकाओं के समाधान के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गई हेल्पलाईन पर निरंतर सम्पर्क किया जा रहा है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 की तिथि 30 जुलाई है। प्रवेश परीक्षा की तिथि 30 जुलाई के दिन यदि किसी भी विश्वविद्यालय में कोई भी अन्य परीक्षा प्रस्तावित है तो वह स्थगित हो जाएगी और किसी अन्य दिन सम्पन्न होगी, सभी विश्वविद्यालय अपनी परीक्षा तिथियों में संशोधन कर रहे हैं। अनेक अभ्यर्थियों को शंका है कि उन्हें परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोविड का टीकाकरण करवाना आवश्यक है अथवा परीक्षा केंद्र पर इसका प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा, उनकी जानकारी के लिए यह स्पष्ट किया जाता है कि सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें टीकाकरण अवश्य करवा लेना चाहिए, लेकिन संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के लिए टीकाकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि एक बार दोबारा स्पष्ट किया जाता है कि परीक्षा प्रारुप पूर्ववत् अर्थात तीन घंटे की अवधि का ही है और निगेटिव मार्किंग इस बार भी होगी। प्रवेश पत्र 16 जुलाई से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

16 से शुरू होगी लखनऊ विवि की वार्षिक परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की 16 जुलाई से वार्षिक परीक्षा आयोजित होनी है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन तैयारी में जुट गया है। विश्वविद्यालय में कोरोना गाइडलाइन का पालन करने को लेकर हर पहलू पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि परीक्षार्थियों व शिक्षक समेत समस्त कर्मचारी को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। फिलहाल राजधानी में कोरोना के संक्रमण में काफी गिरावट आ गई हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन काफी गंभीर है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार परीक्षा को लेकर तैयारियों में जुटा हुआ है और परीक्षा विभाग में तैयारियों को लेकर स्वयं परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना की ओर से निगरानी की जा रही है। प्रो. सक्सेना लगातार अधीनस्थ कर्मियों को लेकर बैठक कर रहे हैं और कोविड गाइडलाइन के अनुसार परीक्षा कराने की रूपरेखा तैयार की गई। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि कोरोना के केस कम हुए लेकिन खतरा टला नहीं है। ऐसे में परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षक की सुरक्षा की हमारी जिम्मेदारी है ।

बीएड परीक्षार्थियों को नहीं देना होगा कोरोना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट

स्वतंत्र भारत लखनऊ ।लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के परीक्षार्थियों के लिए वैक्सीन सर्टिफिकेट की अनिवार्यता लागू न करने के निर्देश जारी किए गए है।मंगलवार को यूनिवर्सिटी ने

-एग्जाम को लेकर जारी हुए दिशा निर्देश

इस बाबत स्पष्ट गाइडलाइन जारी किया। 30 जुलाई को प्रदेश के 1,476 केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा प्रस्तावित है।शासन की तरफ से प्रवेश परीक्षा के दिन किसी भी विश्वविद्यालय में कोई अन्य परीक्षा आयोजित न करने के निर्देश पहले से ही जारी कर दिए गए है।

बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा की राज्य समंवयक प्रोफेसर अमिता वाजपेई के मुताबिक सुरक्षा की दृष्टि से परीक्षार्थियों को टीकाकरण करवा लेने की हिदायत दी गई है पर संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड 2021-23 के लिए टीकाकरण का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं है साथ ही 16 जुलाई से एडमिट कार्ड डाउनलोड किये जा सकते हैं।स्टेट कॉर्डिनेटर ने कहां कि 28 जुलाई तक सभी कैंडिडेट हर हाल में इसे डाउनलोड कर लें, जिससे एग्जाम के दिन उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।